पॉल रेवरे



पॉल रेवरे का जन्म 1 जनवरी, 1735 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में हुआ. वो नौ बच्चों में से एक थे. उन्होंने अपने पिता की सिल्वरस्मिथ (चांदी के जेवर) की दुकान में काम किया. 21 साल की उम्र में, वो फ्रांसीसियों और इंडियंस के साथ युद्धों में लड़े. बाद में उन्होंने सिल्वरस्मिथिंग के अलावा कई अन्य ट्रेड सीखे, दो बार शादी की और सोलह बच्चे पैदा किए.

पॉल रेवरे ने चाय और अन्य वस्तुओं पर इंग्लैंड द्वारा लागू भारी करों के लगाने पर आपत्ति जताई. उन्होंने बोस्टन टी-पार्टी में भाग लिया, एक ब्रिटिश जहाज पर सवार हुए और पानी में चाय की पेटियां फेंकने में मदद की. 18 अप्रैल, 1775 को उन्होंने मैसाचुसेट्स के लेक्सिंगटन में अमेरिकी सैनिकों को ब्रिटिश हमले की चेतावनी दी. इसके लिए वो इतिहास में बहुत प्रसिद्ध हुए.

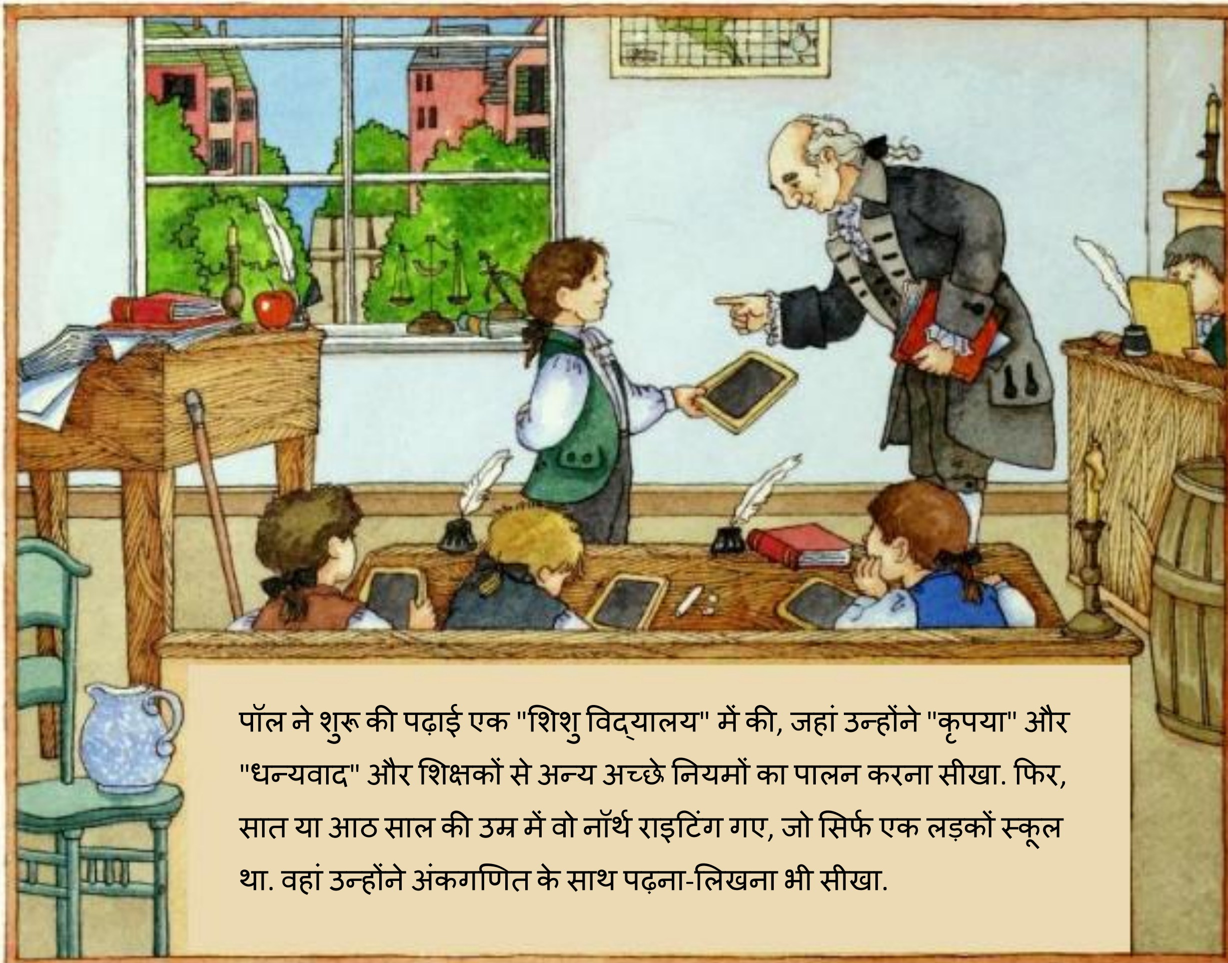
पॉल रेवरे को आज लोग एक ऐसे महान अमेरिकी देशभक्त के रूप में याद करते हैं जिन्होंने अपने देश को आजादी दिलाने में मदद की.

पॉल रेवरे



पॉल रेवरे का जन्म बोस्टन हार्बर के किनारे फिश स्ट्रीट पर एक छोटे से भीड़ भरे घर में हुआ. वह पॉल और डेबोराह रेवरे के दूसरे बेटे थे. उनके नौ अन्य भाई-बहन थे. उनका जन्म नव वर्ष 1735 को हुआ था.





पॉल ने शुरू की पढ़ाई एक "शिशु विद्यालय" में की, जहां उन्होंने "कृपया" और "धन्यवाद" और शिक्षकों से अन्य अच्छे नियमों का पालन करना सीखा. फिर, सात या आठ साल की उम्र में वो नॉर्थ राइटिंग गए, जो सिर्फ एक लड़कों स्कूल था. वहां उन्होंने अंकगणित के साथ पढ़ना-लिखना भी सीखा.



तेरह साल की उम्र में पॉल रेवरे ने अपने पिता की दुकान में काम करने के लिए स्कूल छोड़ दिया. उनके पिता एक सिल्वरस्मिथ थे. जब पॉल पंद्रह वर्ष के थे तब छह अन्य लड़कों के साथ मिलकर उन्होंने क्राइस्ट चर्च की आठ बड़ी घंटियाँ बजाने के लिए एक संगठन बनाया. कहा जाता है कि सभी अमेरिकी उपनिवेशों में उन घंटियों की आवाज़ सबसे मधुर ध्वनि थी.

1754 में, पॉल रेवरे के पिता की मृत्यु हुई. तब पॉल उन्नीस वर्ष के थे. चूँकि वो सबसे बड़े बेटे थे, इसलिए माँ, बहनों और भाइयों को आर्थिक सहारा देना उनका फ़र्ज़ था. फिर उन्होंने अपने छोटे भाई थॉमस के साथ पिता की सिल्वरस्मिथ दुकान में काम करना शुरू किया.





पॉल के बचपन में, मैसाचुसेट्स पर ग्रेट ब्रिटेन का नियंत्रण था. मैसाचुसेट्स, तेरह अमेरिकी उपनिवेशों में से एक था. उत्तर और पश्चिम में फ्रांस का कब्ज़ा था. 1689 के शुरू में, ब्रिटिश और फ्रांसीसी सेनाओं के बीच सीमाओं पर लड़ाई हुई जिसे फ्रांसीसी-इंडियन युद्ध कहा गया. अमेरिका के मूल-निवासियों - इंडियंस ने, दोनों पक्षों के लिए लड़ाई लड़ी.

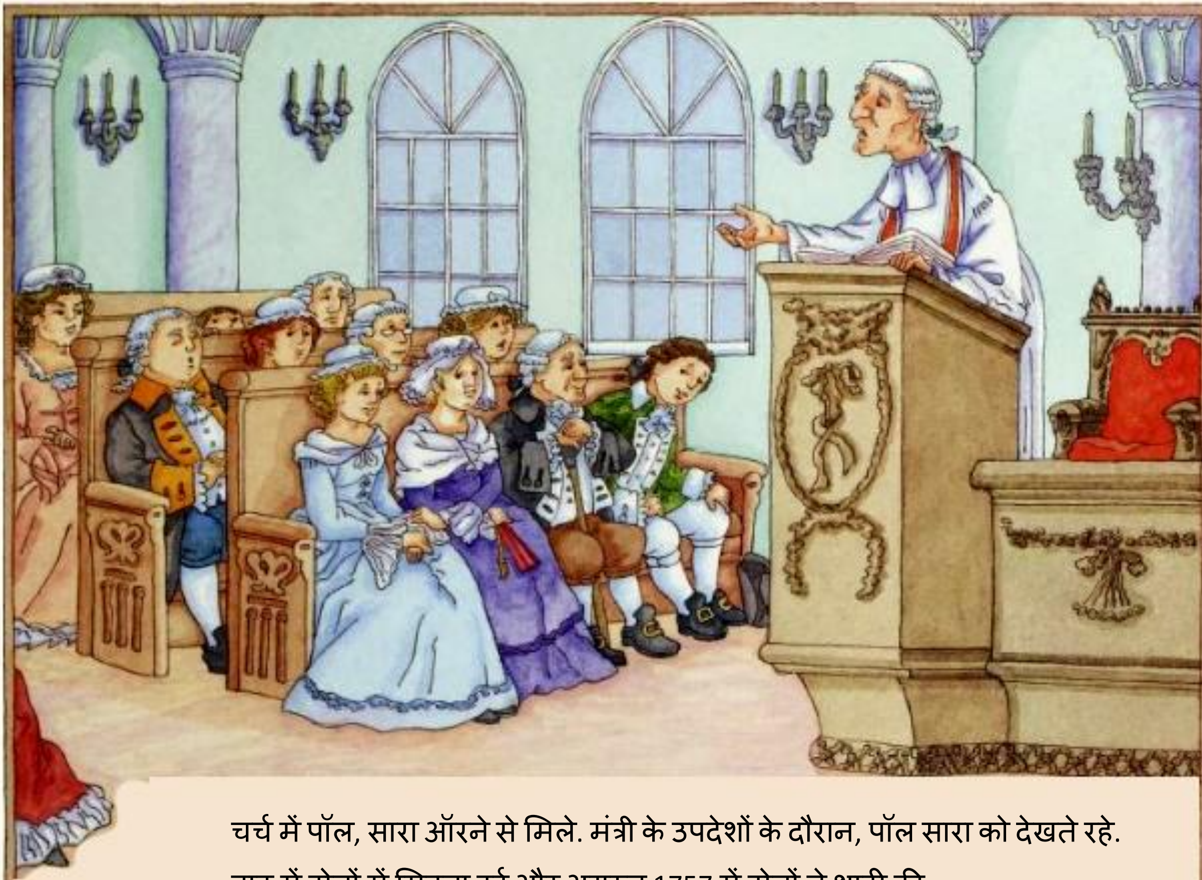


फरवरी 1756 में, पॉल रेवरे फ्रांसीसियों से लड़ने के लिए मैसाचुसेट्स रेजिमेंट में शामिल हुए. वो न्यूयॉर्क के लेक जॉर्ज से फोर्ट विलियम हेनरी तक, लेफ्ट-राइट करते हुए गए. पॉल रेवरे की रेजिमेंट ने मामूली लड़ाई लड़ी. उन्हें कोई वास्तविक जीत नहीं हासिल हुई. लड़ने से ज्यादा सैनिकों की बीमारी से मौत हुई. नवंबर 1736 में, पॉल रेवरे सहित सभी जीवित सैनिकों को घर भेज दिया गया.





पॉल अपनी दुकान में काम करने के लिए वापस गए. वो एक बेहद कुशल सिल्वरस्मिथ थे और सप्ताह में छह दिन व्यस्त रहते थे. वो चांदी की चाय केतली, कटोरे, झुमके, जूतों के बक्कल, घड़ी के फ्रेम, बच्चों के झुनझुने, सीटी, कुत्ते के कॉलर और यहां तक कि पालतू गिलहरी के लिए चेन भी बनाते थे. रविवार को वो नियम से चर्च जाते थे.



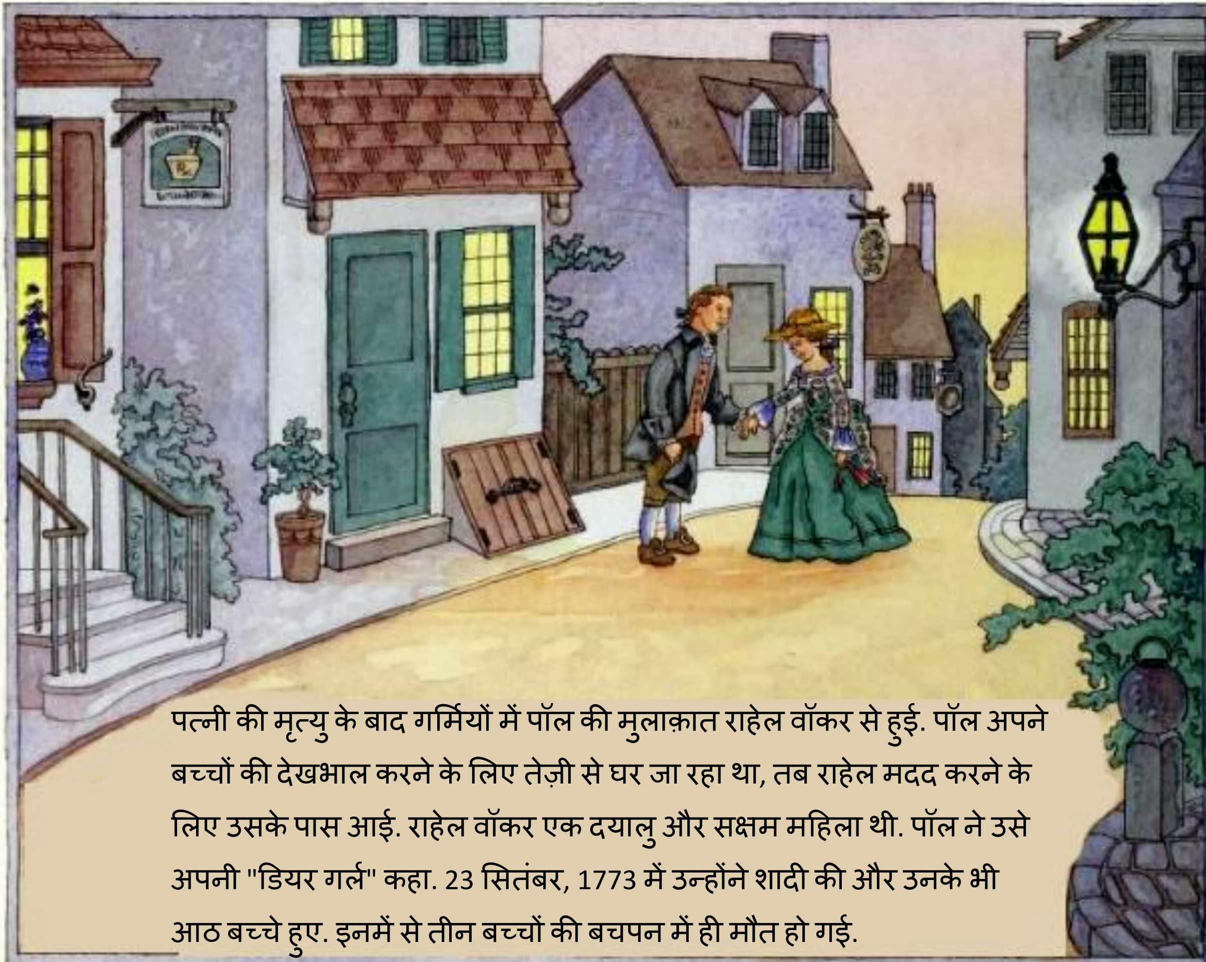
चर्च में पॉल, सारा ऑरने से मिले. मंत्री के उपदेशों के दौरान, पॉल सारा को देखते रहे.
बाद में दोनों में मित्रता हुई और अगस्त 1757 में दोनों ने शादी की.



सारा, पॉल के परिवार के साथ फिश स्ट्रीट वाले घर में रहने चली गई. छोटे घर में अब और भी ज्यादा भीड़ हो गई क्योंकि पॉल और सारा के बच्चे होने लगे. उनके कुल मिलाकर आठ बच्चे हुए. उनका जन्म 1758 में शुरू से हर दूसरे वर्ष हुआ.

जब इस्ना समेत दो बच्चों की मौत हुई उस समय इस्ना सिर्फ नौ महीने की थी. शायद वो एक मुश्किल प्रसव था क्योंकि इस्ना के जन्म के पांच महीने बाद ही सारा की मृत्यु भी हो गई.





पत्नी की मृत्यु के बाद गर्मियों में पॉल की मुलाक़ात राहेल वॉकर से हुई. पॉल अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए तेज़ी से घर जा रहा था, तब राहेल मदद करने के लिए उसके पास आई. राहेल वॉकर एक दयालु और सक्षम महिला थी. पॉल ने उसे अपनी "डियर गर्ल" कहा. 23 सितंबर, 1773 में उन्होंने शादी की और उनके भी आठ बच्चे हुए. इनमें से तीन बच्चों की बचपन में ही मौत हो गई.



इतने सारे बच्चों के साथ, पॉल रेवरे को यह सुनिश्चित करना था कि उसके घर का भरण-पोषण अच्छी तरह हो सके. केवल धनी लोग ही चांदी से बनी चीजें खरीद सकते थे, इसलिए पॉल ने अन्य ट्रेड सीखे. उसने सुनार के रूप में काम किया. उसने दांतों को साफ करना और लोगों के लिए नकली दांत बनाना सीखा. उसने तांबे की प्लेट पर नक्काशी करना, चित्र और बिजनेस कार्ड बनाना सीखा. उसने छतरियां की मरम्मत की, और चश्मे भी बनाए.



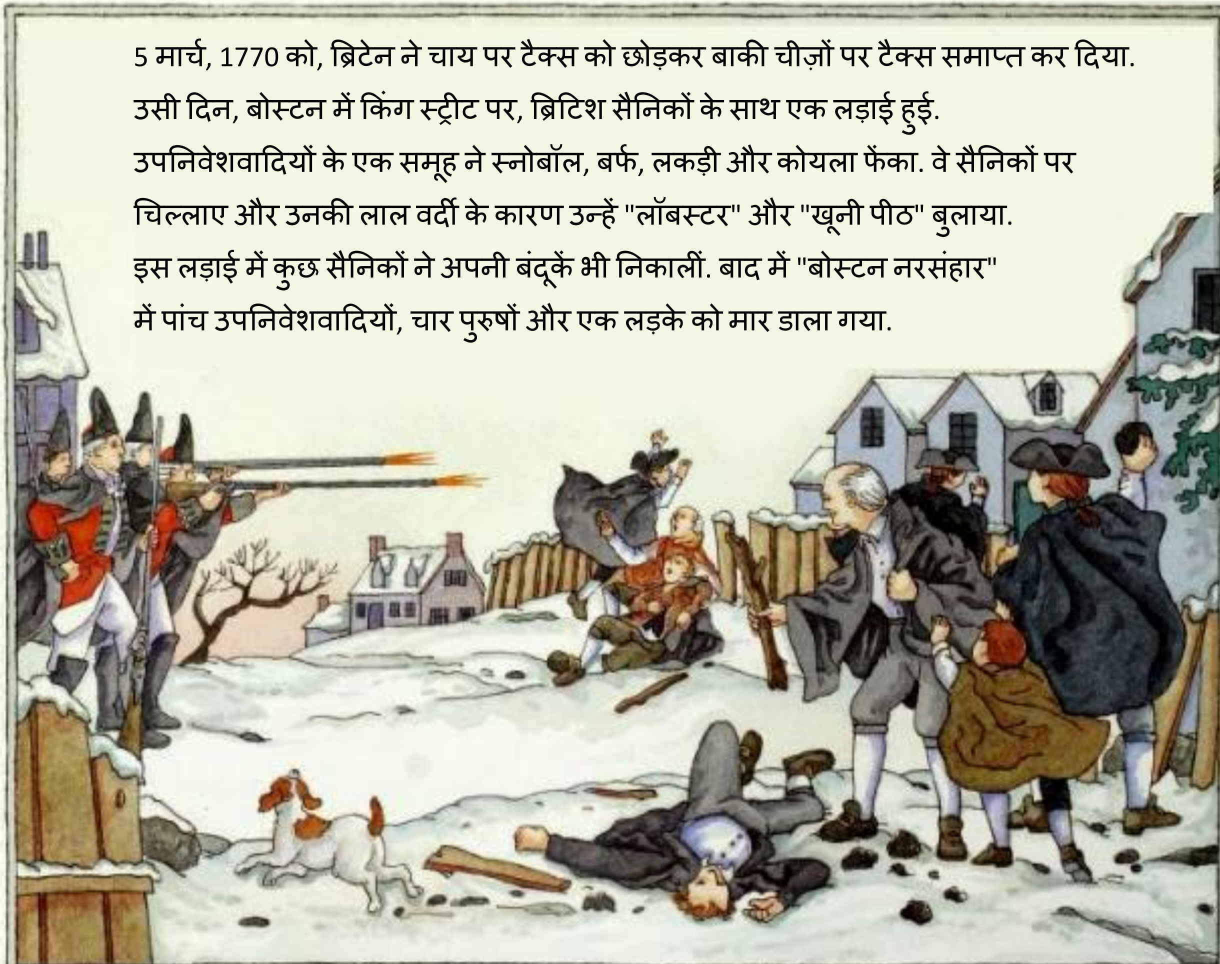
पॉल रेवरे अपने काम और परिवार में व्यस्त रहता था. 1760 की शुरुआत में वो राजनीति में जुड़ गया. पॉल, "संस ऑफ लिबर्टी" का सदस्य बना. यह अमेरिकी लोग, ब्रिटिश शासन के खिलाफ थे.

1763 तक, फ्रांस के साथ युद्ध समाप्त हो गया था, लेकिन उपनिवेशों में अभी भी ब्रिटिश सैनिक थे. मार्च 1765 में, सैनिकों को भुगतान करने के लिए, ब्रिटिश संसद ने स्टाम्प अधिनियम पारित किया. यह अखबारों और अन्य मुद्रित प्रकाशनों पर लगा टैक्स था.



ब्रिटिश संसद में उपनिवेशों का कोई प्रतिनिधि नहीं था, इसलिए उन्हें लगा कि उन पर टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए था. "प्रतिनिधित्व के बिना कोई टैक्स नहीं," उन्होंने कहा. "संस ऑफ़ लिबर्टी" ने स्टैम्प अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया. 1766 में, ब्रिटेन ने स्टाम्प अधिनियम को समाप्त कर दिया. लेकिन अगले वर्ष, ब्रिटिश संसद ने टाउनशेंड अधिनियमों को पारित किया जिसमें उन्होंने कांच, सीसा, पेंट, कागज और चाय पर भी टैक्स लगाया.

5 मार्च, 1770 को, ब्रिटेन ने चाय पर टैक्स को छोड़कर बाकी चीज़ों पर टैक्स समाप्त कर दिया. उसी दिन, बोस्टन में किंग स्ट्रीट पर, ब्रिटिश सैनिकों के साथ एक लड़ाई हुई. उपनिवेशवादियों के एक समूह ने स्नोबॉल, बर्फ, लकड़ी और कोयला फेंका. वे सैनिकों पर चिल्लाए और उनकी लाल वर्दी के कारण उन्हें "लॉबस्टर" और "खूनी पीठ" बुलाया. इस लड़ाई में कुछ सैनिकों ने अपनी बंदूकें भी निकालीं. बाद में "बोस्टन नरसंहार" में पांच उपनिवेशवादियों, चार पुरुषों और एक लड़के को मार डाला गया.



पॉल रेवरे ने शांतिपूर्ण नागरिकों पर गोलियां और सैनिकों के नरसंहार का एक चित्र बनाया. ऐसा निश्चित रूप से हुआ या नहीं, यह किसी को नहीं पता. शायद वो सच्चाई नहीं थी, लेकिन पॉल रेवरे अंग्रेजों के खिलाफ नफरत फैलाना चाहते थे. और वो उसमें सफल भी रहे.



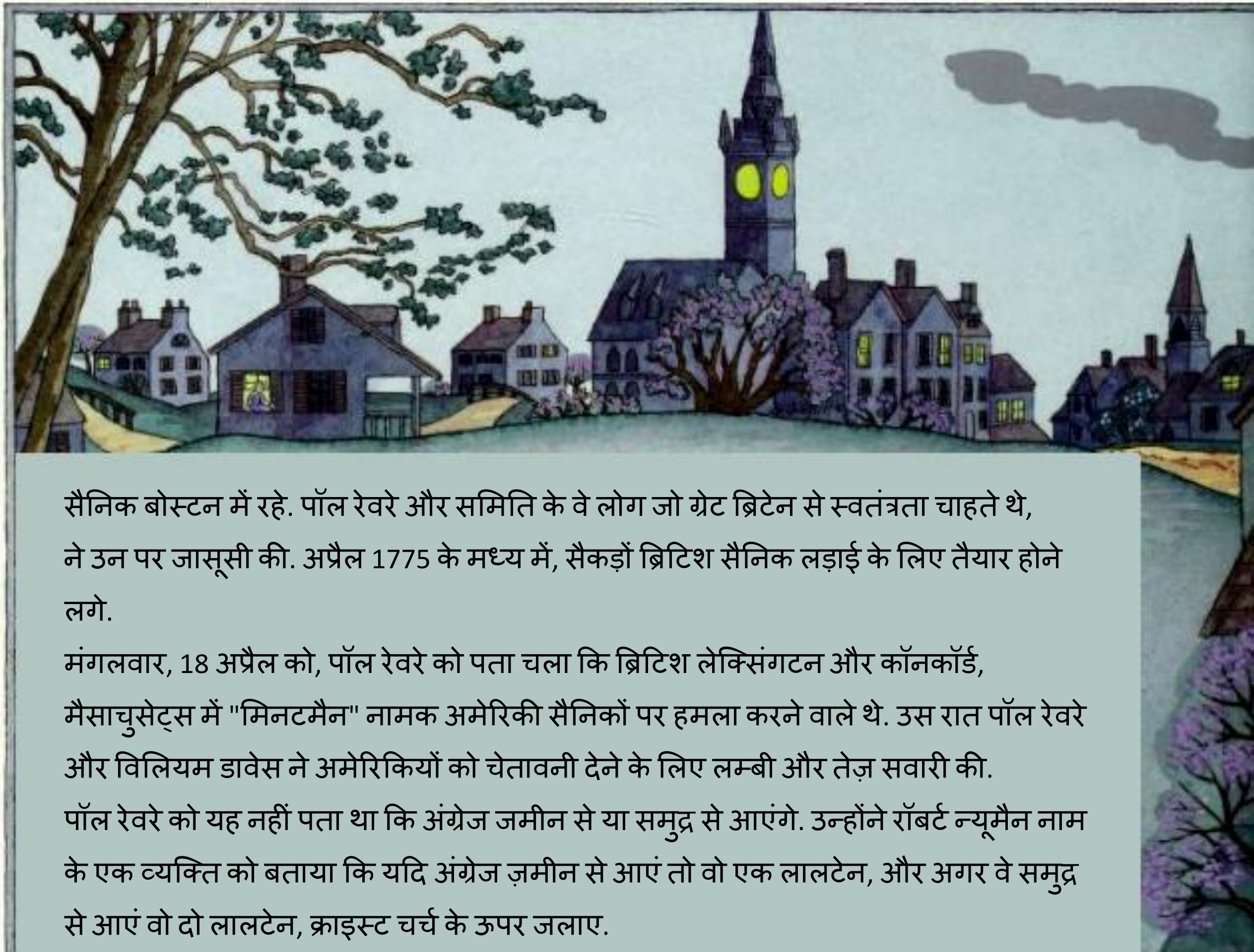
1773 के अंत में, चाय से लदे तीन ब्रिटिश जहाज बोस्टन हार्बर में पहुंचे. बोस्टन के बहुत से लोगों ने टैक्स भुगतान न करने और चाय नहीं पीने का निर्णय लिया.

16 दिसंबर, 1773 को, बोस्टन के एक बड़े समूह ने मूल अमेरिकी लोगों के नकाब पहने. वे तीन समूहों में थे; पॉल रेवरे एक का नेतृत्व कर रहे थे, और फिर वे जहाजों पर चढ़े. उन्होंने चाय की 342 पेटियों को खोला और उन्हें पानी में फेंक दिया.

10 मई, 1774 को पांच हजार ब्रिटिश सैनिक बंदरगाह बंद करवाने के लिए बोस्टन पहुंचे. बंदरगाह तब तक बंद रहेगा जब तक बोस्टन के लोग चाय के टैक्स का भुगतान नहीं करेंगे. उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया.







सैनिक बोस्टन में रहे. पॉल रेवरे और समिति के वे लोग जो ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्रता चाहते थे, ने उन पर जासूसी की. अप्रैल 1775 के मध्य में, सैकड़ों ब्रिटिश सैनिक लड़ाई के लिए तैयार होने लगे.

मंगलवार, 18 अप्रैल को, पॉल रेवरे को पता चला कि ब्रिटिश लेक्सिंगटन और कॉनकॉर्ड, मैसाचुसेट्स में "मिनटमैन" नामक अमेरिकी सैनिकों पर हमला करने वाले थे. उस रात पॉल रेवरे और विलियम डावेस ने अमेरिकियों को चेतावनी देने के लिए लम्बी और तेज़ सवारी की.

पॉल रेवरे को यह नहीं पता था कि अंग्रेज जमीन से या समुद्र से आएंगे. उन्होंने रॉबर्ट न्यूमैन नाम के एक व्यक्ति को बताया कि यदि अंग्रेज ज़मीन से आएं तो वो एक लालटेन, और अगर वे समुद्र से आएं वो दो लालटेन, क्राइस्ट चर्च के ऊपर जलाए.





चार्ल्स नदी को पार करके पॉल रेवरे ने बोस्टन छोड़ दिया. विलियम डावेस शहर के गेट से होकर निकला. वे लेक्सिंगटन में मिले और वहां उन्होंने अपने देशवासियों को ब्रिटिश आक्रमण की चेतावनी दी. सैमुअल प्रेस्कॉट ने उनका साथ दिया. फिर, कॉनकॉर्ड के रास्ते में, पॉल रेवरे को ब्रिटिश अधिकारियों ने पकड़ लिया. अंग्रेजों ने उनका घोड़ा छीन लिया, लेकिन उन्होंने उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया. विलियम डावेस ने इतनी तेज़ी में सवारी की कि वो अपने घोड़े से गिर गए. कॉनकॉर्ड में अमेरिकियों को चेतावनी देने के लिए केवल सैमुअल प्रेस्कॉट ही बचा.



लेक्सिंगटन में अगली सुबह, गोलियां चलीं. अमेरिकी उपनिवेशों की स्वतंत्रता की लड़ाई यानी क्रांतिकारी युद्ध शुरू हो गया.

4 जुलाई, 1776 को फिलाडेल्फिया में दूसरी महाद्वीपीय कांग्रेस में तेरह कालोनियों के प्रतिनिधियों ने स्वतंत्रता की घोषणा को अपनी मंजूरी दी. यह घोषित किया गया कि अब वो तेरह उपनिवेश, स्वतंत्र और स्वतंत्र राज्य थे, और अब वो ब्रिटिश राजा या संसद द्वारा शासित नहीं थे.







युद्ध के दौरान पॉल रेवरे ने कैसल द्वीप पर बोस्टन हार्बर किले की कमान में लेफ्टिनेंट-कर्नल के रूप में कार्य किया. उन्होंने बारूद बनाने के लिए एक मिल भी स्थापित की. उन्होंने तोपें भी बनाईं. उन्होंने मैसाचुसेट्स कॉलोनी के लिए तांबे की प्लेट पर नक्काशी की और कागज़ के नोट छापे.

यह लड़ाई 1781 तक चली. 1783 में, पेरिस संधि पर हस्ताक्षर किए गए और संसद ने नए संयुक्त राज्य अमरीका को अपनी मान्यता दी.



युद्ध के बाद, पॉल रेवरे एक सिल्वरस्मिथ के रूप में काम करने के लिए वापस चले गए. उन्होंने चर्च की छतों से लटकाने के लिए बड़ी घंटियाँ बनाईं. उन्होंने ताश, सीलिंग वैक्स, वॉलपेपर और कपड़ा बेचा. उन्होंने तांबे का भी काम किया, जहाजों के लिए पुर्ज़े बनाए और अमेरिकी युद्धपोतों के निचले हिस्से को ढकने के लिए तांबे की चादर बनाने के लिए एक रोलिंग मिल की स्थापना की.



जैसे-जैसे पॉल रेवरे बूढ़े हुए, वो अपने पोते-पोतियों से घिरे रहे. वे अपने पोते-पोतियों को अमेरिकी क्रांति से पहले और उसके दौरान के अपने कारनामों की कहानियां सुनाते थे.

लंबी बीमारी के बाद पॉल रेवरे का 10 मई, 1818 को निधन हुआ. वो बहुत प्रतिभाशाली थे, लेकिन लोग उन्हें ज्यादातर एक अमेरिकी देशभक्त के रूप में याद करते हैं जिन्होंने अपने देश को स्वतंत्रता दिलाने में पूरी मदद की.

लेखक का नोट

क्राइस्ट चर्च को अब ओल्ड नॉर्थ चर्च के नाम से जाना जाता है.

आजादी के युद्ध से पहले और उसके दौरान अमेरिकी देशभक्तों की मदद करने के लिए पॉल रेवरे ने कई यात्रायें कीं. बोस्टन टी-पार्टी के तुरंत बाद, वो न्यूयॉर्क और फिलाडेल्फिया गए और वहां पर बोस्टन के लोगों ने क्या किया उसकी लोगों को कहानी सुनाई. जब बोस्टन हार्बर बंद हो गया, तो पॉल रेवरे ने न्यूयॉर्क और फिलाडेल्फिया में अमेरिकियों को सूचित करने के लिए फिर से यात्रा की. 1772 में शुरू हुआ, "संस ऑफ लिबर्टी" ने विभिन्न कस्बों और कॉलोनियों में पत्राचार द्वारा समितियों का गठन किया. उन्होंने एक-दूसरे को अंग्रेजों के साथ संघर्ष की खबरें भेजीं. पॉल रेवरे अक्सर समिति के लिए पत्र लेकर जाते थे. उन्होंने सुरक्षा समितियों के लिए पत्र ले जाने के लिए भी सवारी की, जिससे क्रांतिकारी युद्ध के दौरान उपनिवेशों को सूचित करने और शासन करने में मदद मिली. हेनफैड वाड्स द्वारा (1807-1882) ने "पॉल रेवरे की सवारी" नामक एक गीत लिखा. इससे पॉल रेवरे की प्रसिद्धि और बढ़ी.



महत्वपूर्ण तिथियाँ

1735	में बोस्टन, मैसाचुसेट्स में 1 जनवरी को जन्म.
1748	अपने पिता की सिल्वरस्मिथ की दुकान में ट्रेनी के रूप में काम.
1734	पिता, अपोलोस रिवियोइरे का (1720 में उन्होंने अपना नाम पॉल रेवेरे रखा), 22 जुलाई को निधन हो गया. पॉल ने दुकान संभाल ली.
1756	18 फरवरी को एक मैसाचुसेट्स रेजिमेंट में शामिल हो गए और तोपखाने समूह में सेकंड-लेफ्टिनेंट बने.
1757	अगस्त में सारा से शादी की.
1770	में बोस्टन नरसंहार की खुदाई करके एक तस्वीर बनाई.
1773	पत्नी सारा की 3 मई को मृत्यु हो गई.
1773	23 सितंबर को राहेल वॉकर से शादी.
1773	ने 16 दिसंबर को बोस्टन चाय पार्टी में भाग लिया.
1775	अप्रैल 18 की रात को लेक्सिंगटन, मैसाचुसेट्स में अंग्रेज़ों के आक्रमण की खबर देने गए.
1776	स्वतंत्रता की घोषणा को दूसरी महाद्वीपीय कांग्रेस ने 4 जुलाई को अपनाया.
1813	पत्नी राहेल का 26 जून को निधन.
1818	बोस्टन, मैसाचुसेट्स में 10 मई को निधन.